सोशल डिस्टेंसिंग कोरोना का निदान

दरभंगा/जयनगर | हि.टी.

मिथिला विवि की अंगीभूत इकाई डीबी कॉलेज जयनगर के वाणिज्य विभाग व इंडियन एशोसिएशन फार मैनेजमेंट डेवलपमेंट के तत्वावधान में आयोजित बिहार के प्रथम अंतरराष्ट्रीय वेबिनार, डिजिटल संगोष्ठी का समापन हुआ।

समापन सत्र का शुभारंभ मुख्य अतिथि आईए विवि, ईरान के कुलपति प्रो. हामीद सेरेनी, विशिष्ट अतिथि श्री वेंकटेश्वर विवि के कुलपति प्रो. पीके भारती, कलिंगा विवि, भुवनेश्वर की प्रति कुलपति सश्मिता सामंता व पूर्णिया विवि के प्रो. टीएन झा, प्राचार्य प्रो. नंद कुमार व डॉ. शैलेश सिंह ने किया। आयोजक डॉ. शैलेश कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि आइए प्रो. हामीद ने कहा कि कोरोना संक्रमण का निदान सोशल डिस्टेंसिंग व साफ-सफाई है, लेकिन इसके निदान के लिए स्कूल, कॉलेज, विवि व सरकारी कार्यालय भी बन्द किए गए हैं। छात्र किसी भी राष्ट्र का भविष्य होता है। उनका समय पर पाठ्यक्रम एवं परीक्षा समाप्त हो यह विश्व के प्रत्येक राष्ट्र का प्रथम दायित्व होना चाहिए है। ऑनलाइन स्टडी छात्रों के साथ शिक्षकों के लिए भी एक नया अनुभव है।

कोविड -19 पर आयोजित डिजिटल संगोष्ठी के समापन सत्र में भाग लेते विद्वतजन।

डॉ. शैलेश कुमार सिंह ने रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि दो दिवसीय वेबिनार में ईरान, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, बांग्लादेश सहित झारखंड, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, नई दिल्ली, हरियाणा, केरल, पश्चिम बंगाल सहित विभिन्न राज्यों के सैकड़ों प्रतिभागियों ने भाग लिया। विभिन्न सत्रों में 80 से अधिक शिक्षाविद व शोधार्थीयों ने कोविड -19 पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। बेस्ट पेपर प्रजेंटेशन के लिए श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश की शेफाली शर्मा व गुजरात की शोधार्थी गार्गी गोयल को रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

Scanned with CamScanner